

लिंगशरीर पुं. (तत्.) हिंदू शास्त्रों के अनुसार मृत्यु के उपरांत आत्मा कुछ काल तक (भौतिक शरीर का त्याग करने के बाद) सूक्ष्म शरीर में रहती है। यह अन्य व्यक्ति की पाँच ज्ञानेंद्रियों द्वारा अनुभव नहीं किया जा सकता, यही लिंग शरीर है।

लिंगशरीरी पुं. (तत्.) लिंग शरीर धारण करने वाली आत्मा।

लिंगस्थ वि. (तत्.) ब्रह्मचारी।

लिंगांकित पुं. (तत्.) शैव मतावलंबी लिंगायत संप्रदाय।

लिंगानुशासन पुं. (तत्.) व्या. संस्कृत व्याकरण का वह भाग जिसमें शब्दों के लिंगविधान की चर्चा है।

लिंगायत पुं. (तत्.) शैव धर्म का एक संप्रदाय जिसके अनुयायी शिवलिंग धारण करते हैं।

लिंगार्चन पुं. (तत्.) 1. शिवलिंग की पूजा 2. तंत्रोक्त लिंगपूजा।

लिंगार्श पुं. (तत्.) आयु. अर्श रोग का एक प्रकार।

लिंगित वि. (तत्.) चिह्नित, लक्षणों से युक्त पुं. 1. शिव 2. ब्रह्मचारी 3. ढोंगी 4. हाथी

लिंगिनी स्त्री. (तत्.) एक वनस्पति-लता, पंचगुरिया।

लिंगी वि. (तत्.) चिह्नों या लक्षणों से युक्त।

लिंगेंद्रिय पुं. (तत्.) पुरुषों की मूर्तेन्द्रिय या जननेन्द्रिय, शिश्न।

लिंग पुं. (अं.) एक मुलायम कपड़ा जो घावों पर पट्टी बाँधने में प्रयुक्त होता है।

लिंगर पुं. (अं.) खिड़की या दरवाजों के ऊपर ईंटों का भार रोकने के लिए प्रयुक्त लकड़ी के फटे, जिनके ऊपर ईंटें चिनी जाती हैं टि. आजकल सीमेंट और लोहे के सरियों से लिंगर बनते हैं तथा छत भी इन्हीं से बनती है। lintel

लिए अव्य. (देश.) 'के' के साथ जुड़कर (के लिए) संप्रदान कारक का अर्थ देने वाला चिह्न, टि. कभी-कभी 'के' का लोप भी हो जाता है जैसे-

इसलिए, किसलिए स.क्रि. (देश.) भूतकालिक क्रिया 'लिया' का बहुवचनांत रूप, जैसे- उसने मुझसे 100 रु. लिए।

लिकटी स्त्री. (देश.) आब-रंग जो प्रायः चिह्न अंकित करने में प्रयुक्त होता है।

लिकिन पुं. (देश.) मटमैले रंग का एक पक्षी जिसके पैर लंबे होते हैं।

लिकुच पुं. (तद्.) लकुच या बड़हल का वृक्ष या फल टि. कुछ विद्वानों के मत में यह लुकाठ का वृक्ष/फल है।

लिखाइ वि. (देश.) लिखने में सिद्धहस्त और पर्याप्त लेखन करने वाला (लेखक)।

लिखा स्त्री. (तत्.) 1. जूँ का अंडा, जो प्रायः बालों में चिपका रहता है, लीख 2. प्राचीन काल का एक परिमाण, जो राई के छठे भाग के बराबर या लगभग उस जैसा माना जाता था।

लिखत स्त्री. (देश.) 1. लिखने या लिखे होने का भाव 2. लिखित दस्तावेज़।

लिखतम स्त्री. (देश.) 1. लिखावट 2. लिखित कागज पत्र।

लिखधार वि. (देश.) 1. लिखने वाला 2. मुंशी, मुहर्रिर।

लिखन स्त्री. (तद्.) लिखना या लिखावट।

लिखना स.क्रि. (तद्.) लिपिबद्ध करना 2. चित्रांकन।

लिखनी स्त्री. (तद्.) लेखनी, कलम।

लिखवाई स्त्री. (तद्.) लिखवाने का कार्य या मजदूरी।

लिखवाना स.क्रि. (तद्.) लिखने की प्रेरणा देना, लिखने को प्रवृत्त करना।

लिखहार वि. (देश.) 1. लिखने वाला 2. हिसाब किताब रखने वाला।

लिखा स.क्रि. (तद्.) 'लिखना' क्रिया का भूतकालिक रूप वि. लिखित।

लिखाई स्त्री. (देश.) 1. लिखने का भाव, कार्य या मजदूरी 2. लिपि, लिखावट, लिखने का ढंग।